Sri – Om
VEDIC MATHEMATICS AWARENESS YEAR

E-Newsletter Issue no 140 dated 22-03-2015
For previous issues and further more information visit at www.vedicganita.org

ॐ । गायत्री छन्द । सरसवती मंत्र। महेश्वर सूत्र। गणित सूत्र

Om Gyatri Chand, Saraswati Mantra, Maheshwar Sutra, Ganita Sutras

वैदिक गणित (सूर्य रश्मियो का गणित)	Vedic Mathematics (Sunlight format Mathematics)
I. देवनागरी वर्णमाला II. जड़ भरत III. वर्णो की उत्पति IV. पंचीकरण V ज्योति व्यूह अंक सूर्य मण्डल मे द्वादस अदितीयो के ज्योतिस्वरूप तेज व्यूहो मे संगठित रहती है। ज्योति व्यूह के तेज मूल्यो के अंको का विधान ही वर्णमाला का आधार है। पाञ्चरात्र आगमो की संहिताओ मे इस व्यवस्था के आधार पर सभी विधि विधानो का ज्ञान क्षेत्र को बांधा गया है। जिझासु साधको को अपनी जिझासा को तृप्त करने के लिये इन आगम संहिताओ का अध्धयन करना चाहिये। अहिर्बुध्न्यसंहिता के अध्धयन से भी ये जिज्ञासा तृप्त की जा सकती है।	I. Devnagri alphabet II. Jad Bharat III. Creation of letters IV. 5 x 5 format V Transcendental code value Within solar universe the Sun domain is enveloped within transcendental boundary of twelve components and the Jyoti flow from core of Sun remains trapped within orbitals of orbits of sun domain. Numbers values basis of letters of Devnagri alphabet is parallel to the Jyoti an trapped within orbital of orbits of Sun domain. The knowledge domain of all Disciplines have been formatted in Pancaratragama samhitas parallel to the organization of Jyoti within orbitals of orbits of Sun domain. Sadkhas fulfilled with an intensity to know about this, shall go through these samhitas to satisfy their urge. This urge can be satisfied by going through Ahirbudhya-Samhita.

निम्नलिखित तालिका हमे वर्णो के इस अंक मूल्यो को दर्शाती हैः-

स्वर

अ	इ	उ	ऋ	लृ	ए	ओ	ऐ	औ
१	२	३	४	५	६	७	८	९

व्यञ्जन

वर्गा

क वर्ग	क	ख	ग	ध	ङ
	१	२	३	४	५
च वर्ग	च	छ	ज	झ	ञ
	२	३	४	५	६
ट वर्ग	ट	ठ	ड	ढ़	ण
	३	४	५	६	६
त वर्ग	त	थ	द	ध	न
	४	५	६	६	७
प वर्ग	प	फ	ब	भ	म
	५	६	६	७	८

अन्तःस्थः

य	व	र	ल
१	३	५	७

उष्मणः

श	ष	स	ह
२	३	६	९

यमः

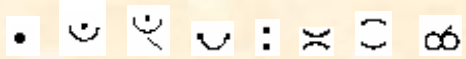

९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६

ये ज्योति व्यूह अदित्य तेज मूल्यो के अंको के विधि विधान व्यवस्था के अनुसार एक अक्षर ब्रह्म् (ॐ) का मूल्य ँ (10) + ऊ (6) = 16 ठहरता है। तथा तस्यवाचक, प्रणवः का मूल्य 7 + 8 + 8 + 13 = 36 ठहरता है। जबकि (वेद) का मूल्य ठहरता है 20

*

...क्रमश

२२-०३-२०१५ डा. सन्त कुमार कपूर

Following tabulation is of this organization :

Devnagri alphabet format

Transcendental code values format

Vowels

Letter	अ	इ	उ	ऋ	लृ	ए	ओ	ऐ	औ
TCV values	1	2	3	4	5	6	7	8	9

Consonants

5 x 5 varga consonants

Letters	क	ख	ग	ध	ङ
TCV values	1	2	3	4	5
Letters	च	छ	ज	झ	ञ
TCV values	2	3	4	5	6
Letters	ट	ठ	ड	ढ़	ण
TCV values	3	4	5	6	7
Letters	त	थ	द	ध	न
TCV values	4	5	6	7	8
Letters	प	फ	ब	भ	म
TCV values	5	6	7	8	9

Other letters

Letters	य	व	र	ल
TCV values	1	3	5	7
Letters	श	ष	स	ह
TCV values	2	3	6	9

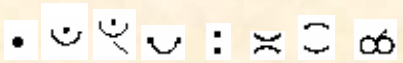

Letters

TCV values 9 10 11 12 13 14 15 16

Transcendental code value of (ॐ) comes to be 16 and of (प्रणव) comes to be 36 while of (वेद) = 20

*

...to be continued

22-03-2015 Dr. Sant Kumar Kapoor